DEFENCE EQUIPMENT MANUFACTURED IN ORDNANCE FACTORIES

4771. SHRI S. S. KOTHARI : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) the value of defence equipment manufactured by Ordnance Factories and public undertakings;

(b) whether it is a fact that India is self-sufficient in light artillery;

(c) how the semi-automatic rifle, developed in the ordnance factories compares with similar weapon manufactured abroad; and

(d) whether there is any proposal to export such rifles ?

THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L. N. MISHRA) (a) The value of Defence equipment delivered to the Armed Forces from Ordnance Factories, Departmental Undertakings and Public Sector Undertakings in 1966-67 was approximately Rs. 150 crores.

(b) Yes, Sir.

(c) The performance of the Indian semi-automatic rifle compares favourably with similar weapons manufactured abroad.

(d) It would not be in public interest to give any details in this regard.

महापुरुषों के जीवन के बारे में फ़िल्में

4772. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत के महापुरुषों के जीवन पर तथा उनके सन्देश का प्रचार करनें के लियें जिन्होंनें राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा दी है, फिल्में बनानें के प्रस्ताव पर फिल्म डिवीजन विचार कर रहा है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है । [पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या LT 2052/67] ।

हिन्दी की फ़िल्में

4773. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बतानें की कृपा करेंग कि :

(क) किन राज्यों में हिन्दी भाषा की अधिक फिल्में बनती हैं; और

(ख) किन राज्यों में सब से अधिक लोग उन फिल्मों को देखते हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) महाराष्ट्र और मद्रास ।

(ख) इस प्रश्न का ठीक ठीक उत्तर देना कठिन है, परन्तु यदि पक्के सिनेमाघरों और उनमें कितनी सीटें हैं, इन की संख्या के आधार पर चला जाए, तो यह समझा जा सकता है कि महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मद्रास, केरल, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में लोग बड़ी संख्या में और बार बार हिन्दी फिल्में देखते हैं । इस धारणा का आधार यह है कि प्रादेशिक फिल्में अपनी कीमत पूरी करना भी मुश्किल पाती हैं ।

छोटे समाचार पत्रों को प्रोत्साहन

4774. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार नें छोटें और प्रादेशिक भाषा समाचार-पत्रों की वित्तीय स्थिति सुधारनें के उद्देश्य से उन्हें विज्ञापनों आदि की अधिक सुविधायें देनें की कोई योजना बनाई है; और

(ख) क्या छोटे विशेषकर प्रादेशिक भाषा समाचार-पत्रों की समस्याओं का अध्ययन करने तथा उन्हें दूर करने के सुझाव देने के लिए एक समिति बनाने का सरकार का विचार है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) उपलब्ध धन राशि के अन्दर अन्दर, छोटे और प्रादेशिक भाषाओं के समाचार-पत्रों को सरकारी विज्ञापन देनें